अध्याय 5

भारत, अर्थात इंडिया

भारत में प्रारंभिक काल से ही आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता स्थापित हो गई थी, जो हिमालय और दो समुद्रों के बीच इस महान मानवता की जीवनधारा का अभिन्न अंग बन गई।

— श्री अरविंद

चित्र 5.1 — 2300 वर्ष पूर्व ग्रामीण भारत को दर्शाता एक दृश्य (महान साँची स्तूप का उत्तरी द्वार)

महत्वपूर्ण प्रश्न ?

1. *भारत को हम कैसे परिभाषित कर सकते हैं?*
2. *भारत के कुछ प्राचीन नाम क्या थे?*

0683CH05

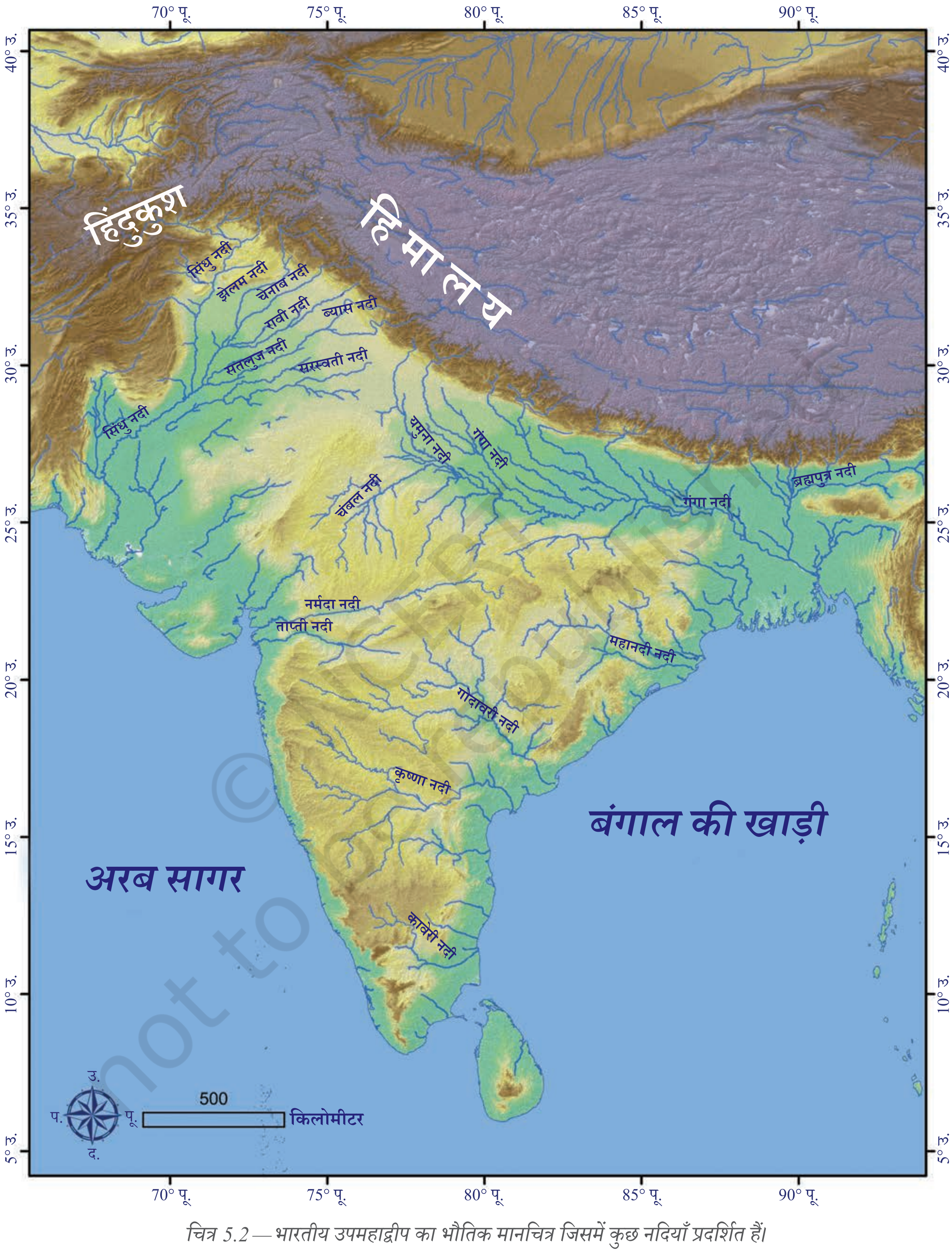

चित्र 5.2 — भारतीय उपमहाद्वीप का भौतिक मानचित्र जिसमें कुछ नदियाँ प्रदर्शित हैं।

Reprint 2026-27

आज का भारत एक आधुनिक राष्ट्र है, जिसकी परिभाषित सीमाएँ, राज्य और ज्ञात जनसंख्या है। हालाँकि यह 500, 2000 या 5000 वर्ष पूर्व बहुत अलग था। विश्व के इस भाग को हम प्राय: 'भारतीय उपमहाद्वीप' कहते हैं। इसके भिन्न-भिन्न नाम रहे हैं और इसकी सीमाएँ भी बदलती रही हैं। विभिन्न स्रोतों से हम भारत के अतीत और विकास के बारे में जान सकते हैं। आइए, पता करें।

आइए विचार करें

इस अध्याय के प्रारंभ में दिए गए भारतीय उपमहाद्वीप के भौतिक मानचित्र का अध्ययन कीजिए। वे कौन-कौन सी प्राकृतिक सीमाएँ हैं जिसे आप समझ सकते हैं?

इतिहास के इस क्रम में भारत को उसके **निवासियों** और विदेशों से आए आगंतुकों के द्वारा कई नामों से बुलाया जाता रहा है। ये नाम प्राचीन पुस्तकों, यात्रियों और तीर्थयात्रियों के वृत्तांतों और शिलालेखों में मिलते हैं।

निवासी
वे लोग जो एक स्थान विशेष में रहते हैं।

भारतीयों ने भारत नाम कैसे दिया?

ऋग्वेद भारत का सबसे प्राचीन ग्रंथ है। हम अध्याय 7 में देखेंगे कि यह हजारों वर्ष पुराना है। इस ग्रंथ में उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र का नाम 'सप्त सैंधव' अर्थात 'सात नदियों की भूमि' है। 'सैंधव' शब्द सिंधु से आया है जिसका आशय सिंधु नदी या सामान्यत: एक नदी से है।

समय बीतने के साथ ही हमें साहित्य में भारत के अन्य क्षेत्रों के नाम भी मिलने लगते हैं।

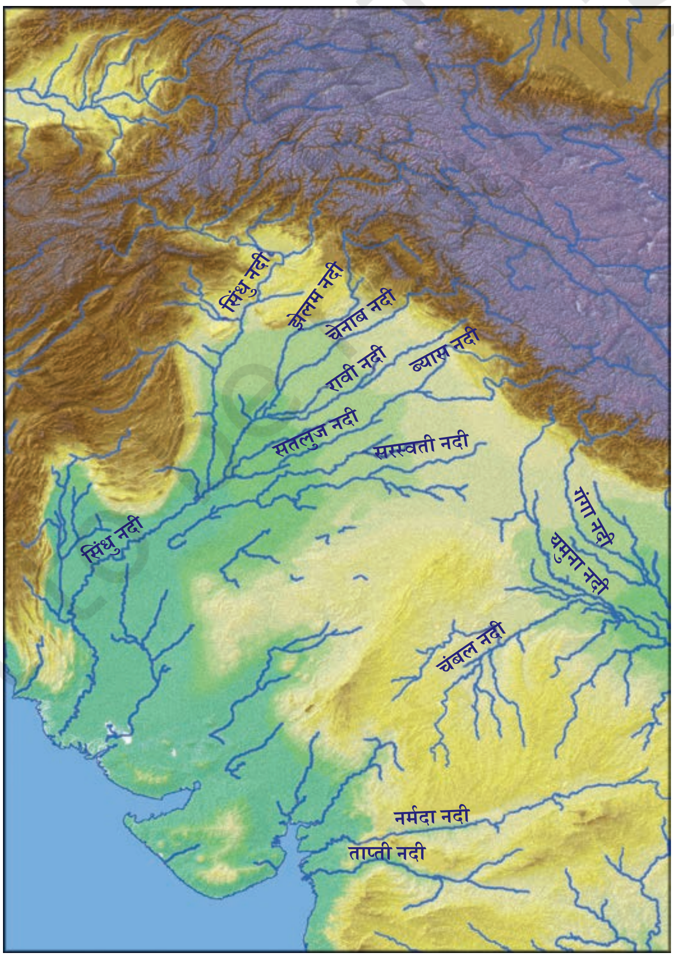

चित्र 5.3 — भारतीय उपमहाद्वीप का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र

Reprint 2026-27

महाभारत, भारत के सबसे प्रसिद्ध ग्रंथों में से एक है (इसके बारे में हम 'हमारी सांस्कृतिक विरासत तथा ज्ञान परंपराएँ' अध्याय में पढ़ेंगे)। रोचक बात यह है कि इसमें अनेक क्षेत्रों को सूचीबद्ध किया गया है, जैसे – काश्मीर (लगभग आज का कश्मीर), कुरूक्षेत्र (आज हरियाणा का भाग), वंग (बंगाल का भाग), प्राग्ज्योतिष (कुछ-कुछ असम का भाग), कच्छ (आज का कच्छ) और केरल (लगभग आज का केरल) इत्यादि।

आइए पता लगाएँ

क्या आप पृष्ठ 79 पर मानचित्र (चित्र 5.4) में दिए गए कुछ क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं? आपने जिन क्षेत्रों के बारे में सुना हो, उनकी सूची बनाइए।

वास्तव में हमें कब समूचे भारतीय उपमहाद्वीप के लिए एक नाम मिला? चूँकि प्राचीन भारतीय ग्रंथों की तिथि निर्धारित करना कठिन है, अतः इस प्रश्न का उत्तर देना आसान नहीं है। महाभारत में 'भारतवर्ष' तथा 'जम्बूद्वीप' शब्द का प्रयोग किया गया है तथा विद्वान सामान्यत: इस बात से सहमत हैं कि सा.सं.पू. की कुछ शताब्दियों पूर्व से यह महाकाव्य लिखा जाने लगा था।

पहला शब्द 'भारतवर्ष' स्पष्ट रूप से समूचे उपमहाद्वीप के लिए प्रयुक्त हुआ है और इस ग्रंथ में अनगिनत नदियों और लोगों के नाम सम्मिलित हैं। भारतवर्ष से आशय 'भरत' के देश से है। 'भरत' वह नाम है जो सर्वप्रथम ऋग्वेद में उल्लिखित हुआ था। वहाँ इसका अभिप्राय लोगों के एक प्रमुख वैदिक समूह से है। बाद के साहित्य में विभिन्न महाराजाओं के लिए 'भरत' नाम उल्लिखित हुआ।

दूसरे शब्द 'जम्बूद्वीप' से आशय 'जामुन वृक्ष के फल के द्वीप' से है। यह वास्तव में भारत में पाया जाने वाला एक सामान्य पेड़ है जिसे 'जम्बुल वृक्ष', 'मालाबार प्लम या जामुन वृक्ष' आदि भी कहते हैं। आगे जम्बूद्वीप भारतीय उपमहाद्वीप का पर्याय बन गया।

वास्तव में इस संबंध में हमें एक भारतीय सम्राट से बहुत अच्छा संकेत मिलता है— उनका नाम अशोक है, जिनके विषय में हम बाद में जानेंगे। अभी के लिए हम उनकी तिथि को लगभग 250 सा.सं.पू. मान सकते हैं। जैसा कि हम देखेंगे, उन्होंने हमारे लिए बहुत से शिलालेख छोड़े हैं। उनमें से एक में उन्होंने उसी नाम 'जम्बूद्वीप' का संपूर्ण भारत का वर्णन करने के लिए उपयोग किया है। उस समय इसमें आज के बांग्लादेश, पाकिस्तान और साथ ही साथ अफगानिस्तान के भाग सम्मिलित थे।

© NCERT not to be republished
Reprint 2026-27

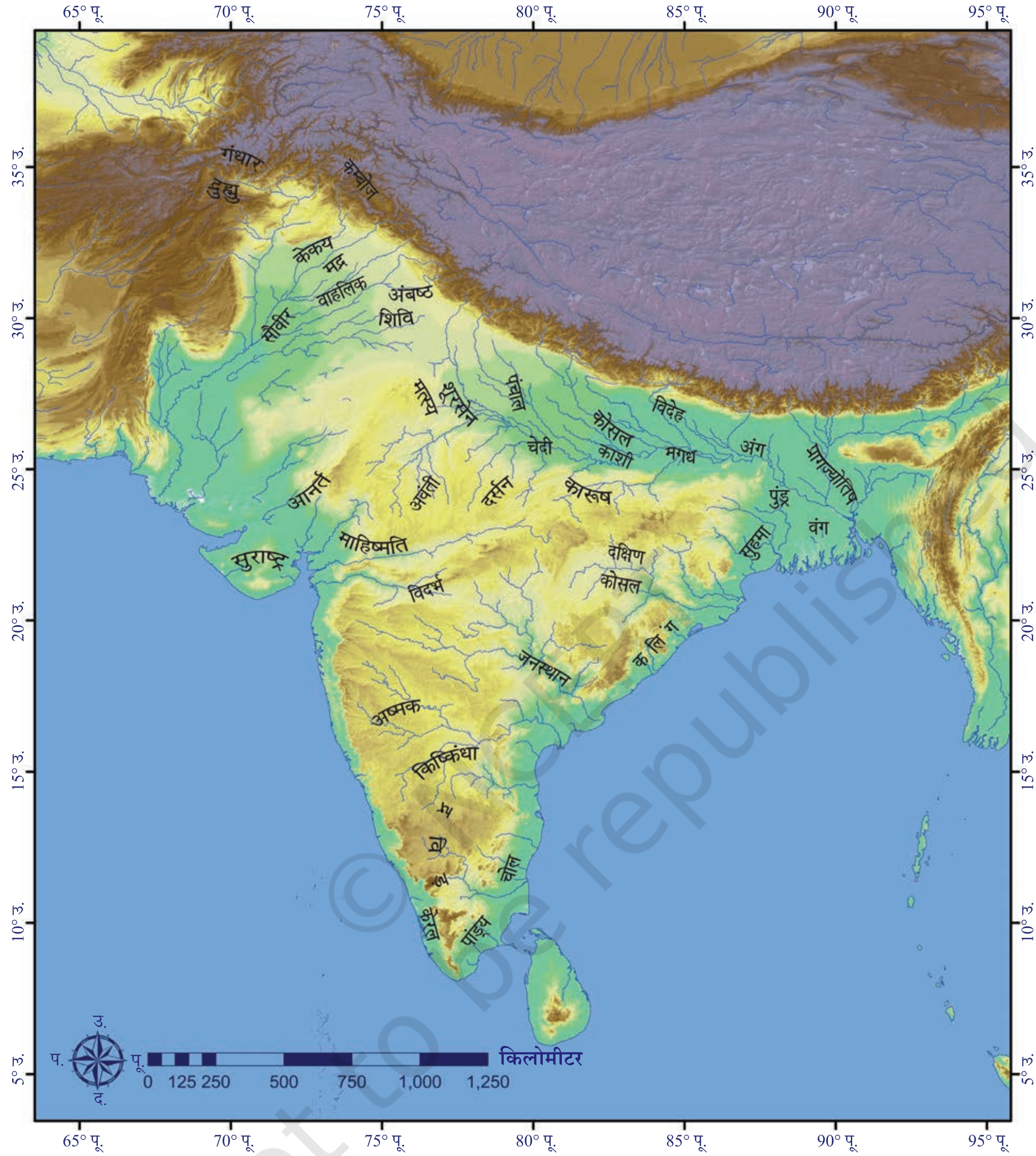

चित्र 5.4 — महाभारत में सूचीबद्ध कुछ क्षेत्रों को दर्शाता मानचित्र (अध्याय में कई क्षेत्रों का उल्लेख राज्यों के रूप में भी किया गया है)। आपको इन क्षेत्रों को याद रखने की आवश्यकता नहीं है, परंतु आप ध्यान दें कि इनका विस्तार उपमहाद्वीप के संपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र में मिलता है।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

कुछ शताब्दियों के बाद भारतीय उपमहाद्वीप के लिए सामान्यतया 'भारत' नाम का प्रयोग किया जाने लगा। उदाहरण के लिए, एक प्राचीन ग्रंथ 'विष्णु पुराण' में हम पढ़ते हैं—

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चै दक्षिणम्
वर्षं तद् भारतं नाम...

वह देश जो समुद्र के उत्तर में और
हिमाच्छादित पर्वतों के दक्षिण में है, उसे भारत कहते हैं।

यह नाम 'भारत' आज भी प्रयोग में है। उत्तर भारत में इसे सामान्यतया 'भारत' लिखते हैं, जबकि दक्षिण भारत में प्राय: 'भारतम्' लिखते हैं।

आइए विचार करें

क्या आप 'हिमाच्छादित पर्वतों' को पहचानते हैं? क्या आप समझते हैं कि भारत का यह संक्षिप्त विवरण सही है?

यह जानना रोचक है कि भारत के लिए देश के विभिन्न भागों ने एक समान परिभाषा को अपनाया है। उदाहरण के लिए, 2000 वर्ष पूर्व प्राचीन तमिल साहित्य की एक कविता में एक ऐसे राजा की प्रशंसा की गई है जिसका नाम "दक्षिण में केप कुमारी से उत्तर में महान पर्वत तक, पूर्व के महासागर से पश्चिम के महासागर" तक जाना जाता है। 'उत्तर में महान पर्वत' को अब आप पहचान सकते हैं और 'केप कुमारी' की पहचान करने में भी कठिनाई नहीं होनी चाहिए। इस तरह प्रतीत होता है कि प्राचीन भारतीय अपने भूगोल को अच्छी तरह से जानते थे।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

ध्यान रखें

भारतीय **संविधान**, जो सर्वप्रथम अंग्रेजी में लिखा गया था, की शुरुआत में ही 'इंडिया, दैट इज भारत' वाक्यांश का प्रयोग किया गया है। संविधान के हिंदी अनुवाद में भी वही 'भारत अर्थात इंडिया' को उल्लिखित किया गया है।

संविधान
किसी देश के आधारभूत सिद्धांतों और कानूनों को बताने वाला प्रलेख। भारतीय संविधान 1950 में लागू हुआ। इसका अध्ययन आप कक्षा 7 में करेंगे।

आइए विचार करें

चित्र 5.5 (पृष्ठ 82) में भारत के मूल संविधान के प्रथम पृष्ठ में क्या आप 'इंडिया अर्थात भारत' को समझ सकते हैं?

विदेशियों ने इंडिया नाम कैसे रखा

विदेशियों में, सर्वप्रथम प्राचीन ईरान (फारस) के निवासियों ने 'भारत' का उल्लेख किया था। छठी शताब्दी सा.सं.पू., एक फारसी सम्राट ने सैन्य अभियान आरंभ किया और सिंधु नदी के क्षेत्र, जिसे 'सिंधु' कहा जाता था, पर नियंत्रण किया। अत: यह कोई आश्चर्य नहीं है कि अपने प्रारंभिक लेखों और शिलालेखों में फारसियों ने भारत को 'हिंद','हिंदु' या 'हिंदू' से निर्दिष्ट किया था, जो उनकी भाषा में 'सिंधु' का रूपांतरण था *(ध्यान रखिए कि प्राचीन फारसी में 'हिंदू' पूर्णतया एक भौगोलिक शब्द है। यहाँ इसे हिंदू धर्म से संदर्भित नहीं किया गया है)*।

इन्हीं फारसी स्रोतों के आधार पर प्राचीन यूनानियों ने इस भाग को 'इंडोई' अथवा 'इंडिके' नाम दिया था। इन्होंने हिंदू शब्द के पहले अक्षर 'ह' को हटा दिया क्योंकि यह अक्षर यूनानी भाषा में नहीं था।

सिंधु → हिंदु → इंडोई/इंडिके

प्राचीन चीनियों ने भी भारत से संपर्क स्थापित किया था। विभिन्न ग्रंथों में इन्होंने इंडिया का उल्लेख 'यिन्तू' या 'यिंदू' से किया था। यह शब्द भी मूलत: 'सिंधु' से आया है।

सिंधु → हिंदू → इंदू → यिंदू

Reprint 2026-27

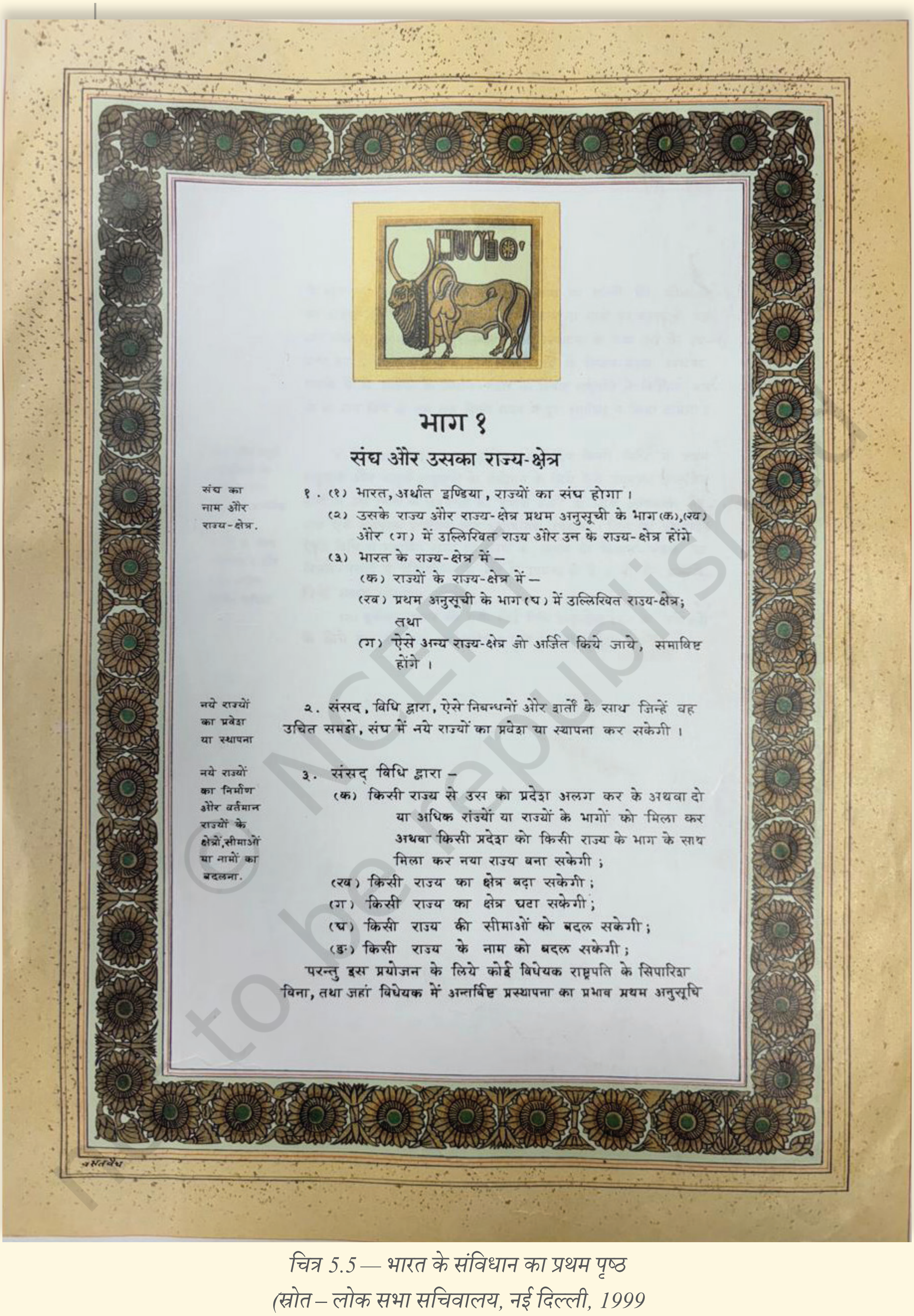

भाग १

संघ और उसका राज्य-क्षेत्र

संघ का नाम और राज्य-क्षेत्र.

१. (१) भारत, अर्थात इण्डिया, राज्यों का संघ होगा।

(२) उसके राज्य और राज्य-क्षेत्र प्रथम अनुसूची के भाग (क), (रव) और (ग) में उल्लिरिवत राज्य और उन के राज्य-क्षेत्र होंगे

(३) भारत के राज्य-क्षेत्र में –

(क) राज्यों के राज्य-क्षेत्र में –

(रव) प्रथम अनुसूची के भाग (घ) में उल्लिरिवत राज्य-क्षेत्र; तथा

(ग) ऐसे अन्य राज्य-क्षेत्र जो अर्जित किये जाये, समाविष्ट होंगे।

नये राज्यों का प्रवेश या स्थापना

२. संसद, विधि द्वारा, ऐसे निबन्धनों और शर्तों के साथ जिन्हें वह उचित समझे, संघ में नये राज्यों का प्रवेश या स्थापना कर सकेगी।

नये राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों का बदलना.

३. संसद् विधि द्वारा –

(क) किसी राज्य से उस का प्रदेश अलग कर के अथवा दो या अधिक राज्यों या राज्यों के भागों को मिला कर अथवा किसी प्रदेश को किसी राज्य के भाग के साथ मिला कर नया राज्य बना सकेगी;

(रव) किसी राज्य का क्षेत्र बढ़ा सकेगी;

(ग) किसी राज्य का क्षेत्र घटा सकेगी;

(घ) किसी राज्य की सीमाओं को बदल सकेगी;

(ङ) किसी राज्य के नाम को बदल सकेगी;

परन्तु इस प्रयोजन के लिये कोई विधेयक राष्ट्रपति के सिपारिश विना, तथा जहां विधेयक में अन्तर्विष्ट प्रस्थापना का प्रभाव प्रथम अनुसूचि

चित्र 5.5 — भारत के संविधान का प्रथम पृष्ठ
(स्रोत – लोक सभा सचिवालय, नई दिल्ली, 1999
हिंदी प्रतिलिपि — प्रबंधक, भारत सरकार, फोटो लिथो मुद्रणालय, नई दिल्ली द्वारा निर्मित की गई।)

© NCERT not to be republished

ध्यान रखें

ज़ुआनज़ैंग (Xuanzang; पूर्व में इसे ह्वेनसांग उच्चारित किया जाता था) ने 7वीं सा.सं. में चीन से भारत की यात्रा की। उन्होंने भारत के कई भागों का भ्रमण किया, विद्वानों से मिले, बौद्ध ग्रंथों को एकत्रित किया और 17 वर्ष बाद चीन वापस लौट गए। वहाँ उन्होंने संस्कृत से चीनी भाषा में उन पांडुलिपियों का अनुवाद किया जो वह अपने साथ ले गए थे। आगे आने वाली शताब्दियों में कई अन्य चीनी विद्वानों ने भी भारत का भ्रमण किया।

एक अन्य चीनी शब्द 'तियन्ज़ू' को 'सिंधु' से लिया गया था, परंतु इस शब्द को 'स्वर्गतुल्य स्वामी' के रूप में भी समझा जा सकता है। यह बताता है कि चीनियों का बुद्ध की भूमि के रूप में भारत के प्रति कितना सम्मान था।

आप संभवत: हाल के पारिभाषिक शब्द 'हिंदुस्तान' से भलीभाँति परिचित होंगे, परंतु आप यह नहीं जानते होंगे कि यह शब्द आज से 1800 वर्ष पूर्व सर्वप्रथम एक फारसी शिलालेख में प्रयोग किया गया था। बाद में, भारत पर आक्रमण करने वालों ने भारतीय उपमहाद्वीप को वर्णित करने के लिए इसी शब्द का प्रयोग किया।

आइए पता लगाएँ

क्या आप भारत के लिए प्रयुक्त भिन्न-भिन्न नामों से इस तालिका को पूर्ण कर सकते हैं?

फारसी	
यूनानी	
लैटिन	भारत
चीनी	
अरबी और फारसी	
अंग्रेजी	इंडिया
फ्रेंच	इन्डे

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

आगे बढ़ने से पहले...

- भारत एक प्राचीन भूमि है, जिसे इसके इतिहास के क्रम में कई नाम दिए गए हैं।
- प्राचीन भारतीयों द्वारा दिए गए नामों में 'जम्बूद्वीप' तथा 'भारत' सम्मिलित हैं। बाद के समय में 'भारत' शब्द अधिक प्रचलित हुआ। अधिकांश भारतीय भाषाओं में यही नाम मिलता है।
- भारत आने वाले विदेशी आगंतुकों और आक्रमणकारियों ने भारत के लिए सिंधु या सिंधु नदी आधारित नामों को अपनाया। इसके परिणामस्वरूप 'हिंदू', 'इंडोई' तथा अंतत: इंडिया जैसे नाम बने।

प्रश्न, क्रियाकलाप और परियोजनाएँ

1. अध्याय के आरंभ में दिए गए उद्धरण का क्या अर्थ है? चर्चा कीजिए।
2. सही अथवा गलत की पहचान कीजिए—
   - 'ऋग्वेद' में भारत के संपूर्ण भूगोल का वर्णन किया गया है।
   - 'विष्णु पुराण' में संपूर्ण उपमहाद्वीप का वर्णन किया गया है।
   - अशोक के समय 'जम्बूद्वीप' में आज का भारत, अफगानिस्तान के कुछ क्षेत्र, बांग्लादेश और पाकिस्तान सम्मिलित थे।
   - महाभारत में कश्मीर, कच्छ और केरल समेत कई क्षेत्रों को सूचीबद्ध किया गया है।
   - 'हिंदुस्तान' शब्द का प्रयोग 2000 वर्ष से भी पहले सर्वप्रथम एक यूनानी शिलालेख में किया गया था।
   - प्राचीन फारसी में 'हिंदू' शब्द का उपयोग हिंदू धर्म के लिए किया गया है।
   - विदेशी यात्रियों द्वारा इंडिया को 'भारत' नाम दिया गया।
3. यदि आपका जन्म 2000 वर्ष पूर्व हुआ होता और आपको अपने देश का नामकरण करने का अवसर मिलता, तो आप किस नाम का चयन करते एवं क्यों? अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग कीजिए।
4. प्राचीन काल में विश्व के विभिन्न भागों से लोग भारत की यात्रा क्यों करते थे? इस प्रकार की लंबी यात्रा करने के पीछे उनका उद्देश्य क्या था? *(संकेत – कम से कम चार या पाँच उद्देश्य हो सकते हैं।)*

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27